MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shrimati Jharna Das Baidya. ...(*Interruptions*)... Shrimati Jharna Das Baidya. ...(*Interruptions*)... You support. That is enough. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANAND SHARMA (Rajasthan): Sir, what I am saying is that after the agriculture, the second largest employment provided is by the textile, handloom and handicraft sector. This Government is going to do away with ...(*Time-bell*)... What the proposals are ...(*Interruptions*)... This is a very serious development. It is not only the question of sustaining the ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But this is Zero Hour. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, this is a larger issue. How to preserve which is traditionally the rich heritage country of this country? That will get destroyed in the process. ...(*Interruptions*)... Though this has been raised in the Zero Hour, yet the Government must come clean on this. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Jharna Das Baidya. ...(*Interruptions*)...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, किसानों की तरह, कई बुनकरों ने भी suicide की है।

श्री उपसभापति : अंसारी जी, श्रीमती झरना दास बैद्य का टाइम आप मत लीजिए। Hon. lady Member, Shrimati Jharna Das Baidya, is standing. बैठिए... Please do not encroach upon her time. ...(*Interruptions*)...

Recent notice by the Government for retired family pensions again-rt women dependent

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा) : सर, रीसेंट्ली सेंट्रल गवर्नमेंट ने एक नोटिस दिया है कि सेंट्रल गवर्नमेंट के जो कर्मचारी हैं, उनकी रिटायरमेंट के बाद या वैसे भी मौत होने के बाद उनके ऊपर निर्भर महिला, जैसे widow, divorcee या जो unmarried महिला है, उसकी फैमिली पेंशन बंद कर रहे हैं। ये महिलाएं जो divorcee, unmarried and widow हैं, वे वैसे ही deprived हैं। हमारे देश में इनकी संख्या करोड़ों में है और सामाजिक स्तर पर ये महिलाएं आर्थिक, सामाजिक शोषण का शिकार होती हैं। तो सेंट्रल गवर्नमेंट ऐसे कदम क्यों उठा रही है, मुझे मालूम नहीं है। महिलाओं के लिए सामाजिक स्तर पर आंगनवाड़ी या आशा जैसी जो भी स्कीमें थीं, उनके डेवलपमेंट के लिए, उनके स्किल डेवलपमेंट के लिए, उसमें भी एलोकेशन कट किया गया है। तो क्यों ऐसा कर रहे हैं? महिलाओं के प्रति ऐसा करने का केंद्रीय सरकार का क्या मतलब है? मैं यह जानना चाहती हूं कि क्यों महिलाओं के ऊपर इस तरह का आक्रमण हो रहा है? मैं यह आग्रह करती हूं कि समाज में ऐसी जो महिलाएं हैं, उनको पेंशन दी जाए, grant-in-aid में अनुदान दिया जाए। वह अनुदान ऐसा होता है कि केंद्र सरकार से पांच सौ रुपए, तीन सौ रुपए मिलते हैं, क्यों? जितना प्राइस राइज़ है, उसके हिसाब से क्या तीन सौ रुपए पेंशन हो सकती है? तीन सौ रुपए अनुदान हो सकता है? यह नहीं हो सकता है। इस हाउस के सामने मैं यह मांग रखती हूं कि यह पेंशन छः हज़ार रुपए होनी चाहिए और जो पेंशन अभी देते हैं, वे तीन

सौ रुपए पेंशन क्यों देते हैं? हमारे स्टेट त्रिपुरा में, स्टेट गवर्नमेंट — Left Front Government divorcee, unmarried और widow महिला को पांच सौ रुपए खुद पेंशन देती है, तो केंद्र सरकार क्यों नहीं दे सकती? केंद्र सरकार के पास क्या पैसे नहीं हैं? क्या सब महिलाएं मर जाएं, तो अच्छा होगा? ...**(समय की घंटी)**...

श्री उपसभापति : टाइम ओवर ...अब आप बैठ जाइए... रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है। Time is over. ...(*Interruptions*)... Dr. Sanjay Sinh. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)... रिकार्ड में नहीं जा रहा है। ...**(व्यवधान)**... Please sit down. ...(*Interruptions*)... Yes, you can associate. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती झरना दास बैद्य :*

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I would like to associate myself with the Zero Hour Mention made by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I would like to associate myself with the Zero Hour Mention made by the hon. Member.

SHRI C.P. NARAYANAN (Kerala) : Sir, I would like to associate myself with the Zero Hour Mention made by the hon. Member.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†**چودھری منور سلیم** (اترپردیش) : مہودے، میں مانیئے سدسئیے کے وکتوّے سے خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

---

* Not Recorded

† Transliteration in Urdu Script.

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate. ...*(Interruptions)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate with it. This is a serious issue. They should respond. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the associating names may be added.

Dr. Sanjay Sinh, please start.

Need to implementing agricultural diversification scheme in the country

डा. संजय सिंह (असम) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपका ह्रदय से आभारी हूं कि आज इस महत्वपूर्ण विषय, कृषि विविधीकरण योजना को पूरे देश में लागू करने का सुझाव देने का जो मैंने प्रयास किया है, उसके लिए आपने मुझे वक्त दिया। देश भर में ओलावृष्टि, अतिवृष्टि और तमाम असामयिक आपत्तियों की वजह से पूरे देश में किसान पीड़ित है और पूरे सदन ने इसके बारे में चिंता भी व्यक्त की है। बहुत सारी आत्महत्याएं हुई हैं, इसके बारे में भी आप सबको पता है। वर्तमान समय में चाहे नए बीज हों, उर्वरक हो, फसल हो, सुरक्षा, रसायन, सिंचाई – इन सबकी व्यवस्था में जो भी निवेश है, वह बहुत मंहगा है और दूसरी ओर किसान जो उत्पादन करता है वह बहुत सस्ता है। महोदय, आज किसान आढ़तियों से भी सबसे ज्यादा पीड़ित है। उसका अपना जो उत्पादन है, उसका सही समय पर और सही दाम उसे नहीं मिल रहा है। मैंने सुल्तानपुर में दो-तीन गांवों का सर्वे किया था। अगर आर्थिक रूप से गांवों को एक यूनिट मानिए तो वह यूनिट आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं है। केवल किसान जो खाता है, पशुओं को जो चारा देता है, वही उसका लाभ है। अगर वह सम्मानपूर्वक अपनी बेटी की शादी करना चाहे, अपने बेटे को डाक्टर या इंजीनियर बनाना चाहे तो यह लगभग असंभव है। आज इतनी विपत्तियों को किसान गांव में झेल रहा है। अगर ग्लोबल वार्मिंग की वजह से मौसम प्रतिकूल बना रहा, तो सरकार के पास कोई साधन नहीं होगा कि वह उसको कम्पनसेट कर सके। माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को एक सुझाव देना चाहता हूं। अंग्रेज़ी में कहावत है, 'Don't put your all the eggs in one basket.' उत्तर प्रदेश में 1998 से लेकर 2004 तक एक स्कीम वर्ल्ड बैंक के असिस्टेंस से चली थी कि पशुपालन, मत्स्य पालन, फलों का, मशरूम का, मधुमक्खी पालन, इन सारी चीज़ों पर उनकी मदद की जाए, अगर मौसम की मार हो जाए तो इन सारी चीज़ों से उसको लाभ मिल सकता है। उपसभापति महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं और सरकार को इस सदन के माध्यम से बताना चाहता हूं कि आज जो स्कीम कृषि विविधीकरण की है कि किसान के पास खेती के अतिरिक्त पशुपालन और अन्य जो साधन हैं, उन पर पूरे देश में ऐसी स्कीम बने जिससे उसे मदद के साथ उस ओर भी प्रेरित किया जाए, ताकि किसान अपनी मेहनत से, कोशिश करके, अपने लाभ के लिए, अपने परिवार की रक्षा के लिए और अपने परिवार के बच्चे को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हो सके। मैं समझता हूं कि इस योजना को लागू करने से, हमारे देश में किसानों ने जो आत्महत्याएं की हैं, उनके प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी, अगर सरकार इसके बारे में विशेष ध्यान देती है।